**THE WAKF BILL, 1993**

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for the better administration of Wakfs and for matters connected therewith or incidental thereto.

*The question was put and the motion was adopted.*

SHRI SITARAM KESRI: Madam, I introduce the Bill.

**उपसभापति** : कुछ तो काम हुआ । अब अगर हाउस बैठना चाहे तो बैठे, छुट्टी करना चाहे तो करे . . (व्यवधान)

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश)**: यह धर्म का दुरुपयोग है . . . (व्यवधान) ।

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, the conventions and the practices of the House should be found out. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us not always disagree on everything. I adjourn the House for lunch till 2.30.

The House then adjourned for lunch at four minutes past one of the clock.

---

The House reassembled after lunch at thirty-four minutes past two of the clock,

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) in the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI): Now we will take up Private Members' Legislative Business.

---

THE CONSTITUTION AMENDMENT) BILL, 1992 (TO AMEND THE EIGHTH SCHEDULE)

†[] Transliteration in Arabic Script.

**श्री महेश्वर सिंह** : (हिमाचल प्रदेश) महोदय में संविधान संशोधन विधेयक, 1992 को वापस लिये जाने की अनुमति चाहता हूं ।

माननीय उपसभापति महोदय क्यों कि बजट सत्र के दौरान दोनों सदनों में नेपाली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित करने के संबंध में प्रस्ताव पारित हुआ है और उसके बाद सरकार ने उसको मान्यता प्रदान कर दी है, ऐसी स्थिति में मैं, सबसे पहले सरकार को बधाई देना चाहूंगा । आज जो एक करोड़ से भी अधिक नेपाली भाषी लोग भारत में रहते हैं, उनकी चिरकाल से चली आ रही मांग को स्वीकार करके सरकार ने एक ऐतिहासिक कार्य किया है । इससे पूर्व कि मैं आपकी अनुमति से इस विधेयक को वापस लूं, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दो-तीन बिन्दुओं की ओर दिलाना चाहूंगा । यह सही है कि मान्यता तो नेपाली भाषा को मिल गई है लेकिन जो संविधान अनुसार एक मान्यता प्राप्त भाषा को सुविधा मिलनी चाहिये, अगर वह प्रदान नहीं की जाती है तो यह केवल मात्र एक औपचारिकता ही रह जाएगी । इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि जब आपने इस भाषा को . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY): Be brief.

**श्री महेश्वर सिंह** : मैं सिर्फ दो तीन प्वाइंट रख कर समाप्त करूंगा । एक तो यह कि जिन प्रान्तों में नेपाली भाषी लोग अधिक संख्या में रहते हैं, उन जिलों में यह व्यवस्था की जाये कि वहां के स्कूलों में नेपाली भाषा को पढ़ाने के लिये आप्शनल विषय के तौर पर इंट्रोड्यूस किया जाये और इसको पढ़ाने की व्यवस्था भी की जाये तथा दूरदर्शन और रेडियो के माध्यम से भी जितने भी संविधान अनुसार कार्यक्रम हो सकते हैं, वह नियमित रूप से प्रसारित किये जायें । इसके अतिरिक्त जितनी भी सुविधाएं एक मान्यता प्राप्त भाषा को मिलनी चाहियें जैसे कि यू.पी.एस.सी. की परीक्षाओं